कंबल बेचने के बहाने आतंकी अजहर मसूद की तकरीर सुनाने वाले 16 वर्ष से फरार

2010 में शाजापुर में पकड़ाए थे एक दर्जन संदिग्ध, आज तक गिरफ्तारी वारंट तामील नहीं करा पाई पुलिस

शाजापुर । शाजापुर जिला मध्यप्रदेश के सबसे अतिसंवेदनशील जिलों में शुमार है। आतंकी गतिविधियों के मामले में शाजापुर का नाम कई वारदातों में आया है। अक्षरधाम हमले में जिस आतंकी ने हमला कराया था, उसका पासपोर्ट शाजापुर के पते पर बना था। मालेगांव विस्फोट के तार भी शाजापुर से जुड़े थे। समझौता एक्सप्रेस विस्फोट के तार भी शाजापुर से जुड़े थे। ऐसा ही एक मामला 2010 में उजागर हुआ था। जिसमें शहर में करीब एक दर्जन संदिग्ध लोग कंबल बेचने के बहाने कुख्यात आतंकी अजहर मसूद की तकरीर(स्पीच)घर-घर सुनाते थे। जिन्हें शहर के लोगों ने पुलिस को सूचना देकर गिरफ्तार करवाया था। लेकिन जमानत के बाद से आज 16 साल बाद भी लगभग ये एक दर्जन संदिग्ध लोग न तो पेशी पर आए, न ही उनका सुराग मिल सका। यहां तक कि पुलिस गिरफ्तारी वारंट भी तामील नहीं करा पाई इन 16 सालों में।

गौरतलब है कि स्थानीय मगरिया से 28 अक्टूबर 2010 को कंबल बेचने वाले करीब एक दर्जन से अधिक संदिग्धों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। जिनके पास से कुख्यात आतंकी अजहर मसूद की तकरीर के कई आपत्तिजनक दस्तावेज मिले थे। पुलिस ने इन्हें गिरफ्तार किया और धारा 153 क, 153 ख में प्रकरण पंजीबद्ध किया गया था। जिसमें अभियुक्त इमरान एवं इस्लाम निवासी बिजरोल थाना बड़ोद जिला बागपत उत्तरप्रदेश के पाए गए थे। इसी प्रकरण में अन्य आरोपी रिजवान, शाकीर, जावेद, परवेज, मो। इरशाद, नजीम, इरफान, गुलशार पिता इरफान, इरफान पिता सइउद्दीन, मो। इश्तियाक, हाफिज मोहम्मद, फुरकान फय्यूम, मेहरुद्दीन, ताजमुल, शाहीद हुसैन, अनीस एहमद, आफताब, फैज एहमद, मो। निजाम, अ। रहमान के विरूद्ध 30 सितंबर 2022 को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी ने स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी किया। आज 16 साल बाद भी इन संदिग्धों का पुलिस गिरफ्तारी वारंट भी तामिल नहीं करा सकी। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी उर्वशी यादव के न्यायालय में ये केस लंबित था। 15।11।2022 को माननीय न्यायालय ने सभी आरोपियों के खिलाफ स्थायी वारंट की तामिली नहीं कराने पर स्थायी रूप से अभियुक्तों को फरार घोषित किया। प्रकरण 2010 से विचाराधीन है और अभियुक्तगण के विरूद्ध शाजापुर न्यायालय द्वारा लगातार गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए, लेकिन पुलिस एक भी आरोपी का गिरफ्तारी वारंट तामिल नहीं करा सकी।

छोटे-छोटे वारंट तामिल कर अपनी पीठ थपथपाती है पुलिस

बीते 16 साल से देश, समाज के लिए खतरा बने 16 संदिग्ध लोगों को पुलिस खोज नहीं पाई, जिनके खिलाफ स्थायी वारंट है। लेकिन छोटे-छोटे वारंटों को तामिल कर शाजापुर पुलिस अपनी पीठ थपथपा लेती है। जबकि उक्त मामला अति गंभीर और देशहित में है, लेकिन आज तक किसी भी पुलिस अधिकारी ने इन संदिग्धों को न तो खोजने में रुचि दिखाई और न ही वारंट तामिल कराने में सक्रियता दिखाई।

घर-घर जाकर सुनाते थे लोगों को तकरीर

2010 में कंबल बेचने के बहाने एक दर्जन से अधिक जो संदिग्ध कुख्यात आतंकी अजहर मसूद की तकरीर घर-घर सुनाने का काम करते थे। उनके खिलाफ न्यायालय ने कई स्थायी वारंट जारी किए, लेकिन शाजापुर पुलिस आज तक इन वारंटों की तामिल नहीं करा सकी। जबकि हर साल वारंटों की तामिली के लिए पुलिस विशेष अभियान चलाती है, लेकिन उसके बाद भी इन संदिग्धों को पुलिस आज तक नहीं खोज पाई। 2010 से लेकर 2026 तक लगभग आधा दर्जन पुलिस अधीक्षक और एक दर्जन थाना प्रभारी यहां पदस्थ हो चुके हैं, लेकिन किसी ने भी इस अति गंभीर और संदिग्ध लोगों के गिरफ्तारी वारंट पर कोई सक्रियता नहीं दिखाई।

इनका कहना है

इस मामले में जल्द ही वारंट की तामील कराकर अभियुक्तों को खोजा जाएगा। पुलिस की टीम को पहले भी भेजा जा चुका है, लेकिन जो पते बताए गए थे, वहां पर अभियुक्त नहीं मिले।

- संतोष वाघेला, थाना प्रभारी, कोतवाली-शाजापुर

कहां है ये संदिग्ध...? किसी को पता नहीं

शाजापुर से 16 साल पहले फरार हुए, धार्मिक भावना भड़काने वाले, आतंकी अजहर मसूद की तकरीर को घर-घर तक पहुंचाने वाले एक दर्जन से अधिक ये संदिग्धों के खिलाफ वारंट जारी करते हुए माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी तत्कालीन न्यायाधीश उर्वशी यादव ने ऑर्डर शीट में स्पष्ट निर्देश दिया है कि उक्त आरोपियों के गिरफ्तार करने की कोई संभावना निकट भविष्य में नजर नहीं आती है . स्थायी वारंट जारी करने के बाद भी अभियोजन की ओर से अभियुक्त इमरान और इस्लाम के संबंध में उद्घोषणा एवं कुर्की संबंधी कार्यवाही दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 82 व 83 के अधीन कोई प्रस्ताव नहीं किया गया . स्थायी गिरफ्तारी वारंट की पावती संबंधित थाने से न्यायालय को प्राप्त हो चुकी है, लेकिन अभियुक्तगण अभी भी फरार हैं . इसलिए लाल स्याही से टीप अंकित कर अभिलेख को नष्ट न किया जाए .

एक नजर में

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर तकनीकी नवाचारों की मिली जानकारी

शुजालपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर स्थानीय जवाहरलाल नेहरू स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान एवं तकनीकी नवाचार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नई तकनीकों और भविष्य के नवाचारों की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ। मुकेश मेवाड़ा ने की, मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित विशेषज्ञ संदीप पटेल ने छात्र-छात्राओं को कंप्यूटर जगत की उभरती नई तकनीकों और डिजिटल युग में उनके महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में तकनीकी बदलाव बहुत तेजी से हो रहे हैं, ऐसे में विद्यार्थियों को लगातार अपडेट रहना आवश्यक है। डॉ। मुकेश मेवाड़ा ने विद्यार्थियों को तकनीकी क्षेत्र में नवाचार अपनाने और शोध के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को कंप्यूटर विज्ञान से जुड़ी नवीनतम जानकारियां प्राप्त हुईं। इस अवसर पर आईक्यूएसी प्रभारी डॉ। बी।के। त्यागी, प्रोफेसर प्रवीणा धारीवाल एवं डॉ।आनंद कुमार अजनोदिया का मार्गदर्शन भी प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में डॉ। सौरभ नेमा, प्रियांशु नेमा, डॉ। अर्पिता शुक्ला,डॉ। सुनील मेवाड़ा, शाकिब मलिक,हिमांशु सोनी,नवीन छलवंत एवं मुकेश मालवीय सहित अन्य उपस्थित रहे। अंत में आभार प्रदर्शन डॉ। सुनील मेवाड़ा ने किया।

क्रोशिया बुनाई कार्यशाला में महिलाओं ने सीखी नई कला

शुजालपुर । महिला उड़ान शैक्षणिक सामाजिक संस्था द्वारा मासिक कार्यक्रम के अंतर्गत क्रोशिया बुनाई कार्यशाला एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ परियोजना अधिकारी ममता परमार ने मां सरस्वती के पूजन के साथ किया। कार्यक्रम में संस्था की सदस्य अलका देशमुख ने उपस्थित महिलाओं को क्रोशिया बुनाई की कला एवं उससे तैयार होने वाली विभिन्न सामग्रियों की जानकारी दी। उन्होंने प्रतिभागियों को क्रोशिया चलाने का प्रशिक्षण भी दिया। अलका देशमुख ने बताया कि उन्होंने यह कला अपनी माताजी से सीखी थी तथा उनकी पुत्री ने इस हुनर को आगे बढ़ाने के लिए उन्हें लगातार प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि 40 वर्षों के अनुभव को प्रदर्शनी के माध्यम से साझा कर उन्हें विशेष खुशी महसूस हो रही है। उड़ान मंच की ओर से मधु मंडलोई एवं हरभजन कौर ने तिलक लगाकर एवं गुलदस्ता भेंट कर ममता परमार का स्वागत किया। कार्यक्रम में अलका देशमुख ने अपनी कला के विभिन्न आयामों पर विस्तार से जानकारी दी, जबकि लता राठौड़ ने मंच की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। आभार प्रीति चौहान ने किया। कार्यक्रम में संस्था की सदस्य भारती राजपूत, चंदा सक्सेना, माधवी सणस, संध्या राय,अंजू खत्री, लाज खत्री एवं डॉ। इरुति शास्त्री सहित अन्य महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए क्रोशिया बुनाई सीखी, आयोजन में महिलाओं का उत्साह देखने लायक रहा।

विद्यार्थियों को दी उच्च शिक्षा की जानकारी

शुजालपुर । उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित कॉलेज चलो अभियान के अंतर्गत जेएनएस शासकीय महाविद्यालय शुजालपुर की टीम ने एसेंट पब्लिक स्कूल पहुंचकर विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, प्रवेश प्रक्रिया एवं शासन की छात्र हितैषी योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में भौतिकशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ। रवि राठौर, कंप्यूटर विभाग से डॉ। सुनील मेवाड़ा एवं माइक्रोबायोलॉजी विभाग से संस्कृति विश्वकर्मा ने विद्यार्थियों को महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया, उपलब्ध पाठ्यक्रमों, आवश्यक दस्तावेजों एवं प्रवेश नियमों के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की। प्रवेश प्रभारी डॉ। मुकेश सिंह मेवाड़ा ने बताया कि शुजालपुर क्षेत्र के प्रत्येक विद्यार्थी तक उच्च शिक्षा का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से विशेष संपर्क अभियान चलाया जा रहा है, ताकि कोई भी छात्र कॉलेज शिक्षा से वंचित न रहे। वहीं महाविद्यालय प्राचार्य डॉ। राजेश कुमार शर्मा ने विभिन्न विद्यालयों में पहुंचकर विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देने हेतु प्राध्यापकों को आवश्यक निर्देश दिए। महाविद्यालय स्टाफ ने विद्यालय के डायरेक्टर सुरेंद्र श्रीवास्तव एवं प्रिंसिपल वीरेंद्र श्रीवास्तव को भी प्रवेश संबंधी दिशा-निर्देश एवं शासकीय योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान छात्रवृत्ति, फीस सहायता, रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों तथा उच्च शिक्षा के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन के साथ भविष्य निर्माण के लिए उच्च शिक्षा अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने प्रवेश प्रक्रिया एवं पाठ्यक्रमों से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने सरल तरीके से समाधान किया। विद्यालय प्रबंधन ने महाविद्यालय टीम का आभार व्यक्त करते हुए ऐसे मार्गदर्शन कार्यक्रमों को विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बताया।

अवैध अहाते पर राजस्व-पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

कौटिल्य स्कूल के पास हो रहा था बिना परमिशन संचालित

शाजापुर । कलेक्टर ऋजु बाफना और पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपूत के निर्देशानुसार राजस्व विभाग एवं थाना कोतवाली पुलिस द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध संयुक्त कार्रवाई करते हुए कौटिल्य स्कूल एबी रोड शाजापुर के पास स्थित शर्मा रेस्टोरेंट पर दबिश दी गई।

दबिश के दौरान रेस्टोरेंट पर कुछ व्यक्ति टेबल-कुर्सियों पर बैठकर शराब का सेवन करते पाए गए, जो पुलिस को देखकर मौके से फरार हो गए। वहीं शराब परोस रहे युवक दयाल मालवीय पिता आत्माराम मालवीय को पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपी द्वारा शराब पुराने फ्रीजर में छिपाकर रखना बताया गया। तलाशी लेने पर फ्रीजर से 17 क्वार्टर सीलबंद देशी प्लेन शराब कीमत लगभग 1360 रुपए की बरामद हुई। आरोपी के पास शराब रखने, बेचने एवं लोगों को बैठाकर शराब पिलाने संबंधी कोई वैध अनुज्ञा पत्र नहीं पाया गया। मौके से 17 क्वार्टर देशी शराब, एक फ्रीजर, टेबल, कुर्सियां, बीयर की खाली केन, एक खाली शराब क्वार्टर एवं डिस्पोजल ग्लास जब्त किए गए।

संचालक के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध

संपूर्ण कार्रवाई की वीडियोग्राफी कराई गई। रेस्टोरेंट संचालक श्रीमती सीमा शर्मा मौके पर उपस्थित नहीं होने से, रेस्टोरेंट संचालक से पृथक से पूछताछ की जाएगी। आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34 एवं 36(ए) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। कार्रवाई के दौरान अनुविभागीय अधिकारी सुश्री मनीषा वास्कले, नायब तहसीलदार गौरव पोरवाल, पटवारी ललित कुम्भकार एवं थाना प्रभारी कोतवाली संतोष वाघेला उपस्थित रहे।

गर्ल्स कॉलेज में एडमिशन के लिए विशेष अभियान

शाजापुर। शासन के निर्देशानुसार कॉलेज चलो अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत किला परिसर स्थित शासकीय कन्या महाविद्यालय में छात्राओं को प्रवेश दिलाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

अभियान अंतर्गत शासकीय कन्या महाविद्यालय द्वारा शासन से मिलने वाली विभिन्न योजनाओं की जानकारी शाजापुर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बैनर लगाकर प्रदान की गई। साथ ही आस-पास के विद्यालयों के प्राचार्यों से संपर्क कर 12वीं उत्तीर्ण छात्राओं की सूची अनुसार संपर्क स्थापित किया गया। साथ ही प्रवेश में आ रही विभिन्न तकनीकी एवं व्यावहारिक समस्याओं का समाधान किया गया। प्रवेश प्रभारी डॉ। कपिल जाटव ने बताया कि मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत नवीन प्रवेश अभियान का प्रथम चरण चल रहा है, जिसके अंतर्गत ऑनलाइन पंजीयन प्रारंभ हो चुके हैं, जिसकी अंतिम तिथि 15 मई निर्धारित की गई है और सत्यापन की अंतिम तिथि 16 मई है। उक्त प्रथम चरण की सीट आवंटन प्रक्रिया 20 मई को संपन्न की जाएगी। मेरिट अनुसार छात्राएं 20 मई से 26 मई तक प्रवेश शुल्क जमा कर अपना प्रवेश सुनिश्चित कर सकेंगी। अगर किसी छात्रा को प्रवेश में कोई समस्या है, तो वह शासन के हेल्पलाइन नंबर 8000063632 एवं टोल फ्री नंबर 18008908399 पर संपर्क कर भी समाधान प्राप्त कर सकती है।

स्मार्ट मीटर-लगातार आ रहे बढ़ते बिजली बिल का विरोध

आगर मालवा। नगर में बिजली कंपनी द्वारा लगवाए गए स्मार्ट मीटर का जमकर विरोध हो रहा हैं, लगातार बढ़कर आ रहे बिजली बिलों व बिजली कंपनी के अधिकारियों के रवैये से परेशान लोगों ने बाइक रैली निकालकर डिप्टी कलेक्टर सर्वेश यादव को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में लोगों ने लिखा है कि बिजली विभाग द्वारा लगाए गए स्मार्ट मीटर के कारण बहुत अधिक बिल आ रहे हैं जब लोग इसकी शिकायत लेकर बिजली कंपनी के कार्यालय जाते हैं तो अधिकारी शिकायतों पर ध्यान नहीं देते और कार्यवाही नहीं करते हैं और उच्च अधिकारियों को शिकायत करने के लिए फोन लगाते है तो किसी का फोन नहीं उठाते और जो मौके पर अधिकारी मिलता है तो अभद्रता से बात करते हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जागरूक युवा मौजूद रहे।

बार-बार निवेदन के बाद भी नहीं हुआ निराकरण

20 मई को 12 .40 लाख केमिस्ट हड़ताल पर रहकर जताएंगे विरोध

शाजापुर। औषधि व्यापार एवं जन स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले गंभीर मामलों का आज भी निराकरण नहीं हो रहा है, जिसके चलते देश में आज भी अवैध फार्मेसी का संचालन किया जा रहा है। इसे लेकर अब ऑल इंडिया केमिस्ट ने कड़ा रूख अपनाया है। जिसके आह्वान पर देशभर की 12।40 लाख केमिस्ट अपनी दुकानें 20 मई को बंद रखेंगे। ताकि अधिकारियों द्वारा इन मामलों उचित कार्रवाई कर लोगों के स्वास्थ्य से हो रहे खिलवाड़ को रोका जा सके।

जिला केमिस्ट एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष विकास सिंदल ने बताया कि देश में आज भी अवैध ई फार्मेसी का संचालन किया जा रहा है जो की 28 अगस्त 2018 को जारी अधिसूचना जीएसआर 817 ई के कारण हो रहा है एवं इसकी वजह से बड़े।बड़े कार्पोरेट प्रेडेटरी मूल्य

निर्धारण कर रहे हैं जिस वजह से आम दवा विक्रेता प्रतिस्पर्धा से बाहर हो रहा हैं। श्री सिंदल ने बताया कि अधिसूचना जीएसआर 220 ई जो कि कोविड जेसे आपातकाल में जारी किया था उसका दुरुपयोग करके अवैध आनलाइन फार्मेसी का संचालन किया जा रहा है। इस तरह की परिस्थितियों न केवल छोटे एवं मध्यम केमिस्ट के अस्तित्व के लिए खतरा है, बल्कि जन स्वास्थ्य के लिए भी जोखिम बढ़ रहा है। इसकी वजह से वैध चिकित्सीय पर्चा पर दवाइयां की बिक्री बाधित हो रही है और पुराने पर्चों का बार बार दुरुपयोग हो रहा है। साथ ही एंटीबायोटिक की आदतें पुराने पर्चों पर जो की दवाइयां बार बार लेने की वजह से पनप रही है। नकली अथवा सत्यापन योग्य न होने वाले प्रिस्क्रिप्शन पर दवाइयां की उपलब्धता बढ़ रही है। फार्मासिस्ट एवं रोगी के बीच प्रत्यक्ष संवाद का अभाव हो रहा है। उन्होंने बताया कि दवाइयां कोई सामान्य वस्तु नहीं है यह सीधे जन स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ मुद्दा है। जिसमें बड़े कार्पोरेट द्वारा अत्यधिक छूट के माध्यम से अपनाई जा रही हिंसक मूल्य निर्धारण की नीतियां निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को विकृत कर रही है, जिससे छोटे केमिस्ट के अस्तित्व बनाए रखना मुश्किल होता जा रहा है।

एक नजर में

ऑपरेशन रिंगटोन के अंतर्गत 15 लाख रुपये मूल्य के मोबाइल उनके वास्तविक मालिकों को किए गए सुपुर्द

81 गुम हुए मोबाइल लौटाकर पुलिस ने नागरिकों के चेहरों पर लौटाई मुस्कान

आगर। जिले में संचालित ऑपरेशन रिंगटोन अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक कार्यालय आगर मालवा में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें 81 गुम हुए मोबाइल फोन जिनकी कुल अनुमानित कीमत 15 लाख 11 हजार 5 सौ रुपये हैं, उनके वास्तविक मालिकों को विधिवत सुपुर्द किए गए। मोबाइल प्राप्त कर नागरिकों के चेहरों पर प्रसन्नता दिखाई दी तथा उन्होंने पुलिस प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। अभियान पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी के निर्देशन में चल रहा है।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी द्वारा उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा गया कि आमजन की सुविधा और विश्वास बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। गुम हुए मोबाइलों की रिकवरी के लिए जिला साइबर सेल द्वारा तकनीकी दक्षता के साथ निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी यह अभियान लगातार जारी रहेगा ताकि अधिक से अधिक नागरिकों को राहत प्रदान की जा सके। पुलिस अधीक्षक द्वारा साइबर अपराधों से बचाव को लेकर विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में साइबर अपराधी नए-नए तरीकों से लोगों को ठगने का प्रयास कर रहे हैं, इसलिए प्रत्येक नागरिक को सजग एवं सतर्क रहना अत्यंत आवश्यक हैं। विशेष रूप से उन्होंने डिजिटल अरेस्ट जैसी नई साइबर ठगी की प्रवृत्ति के बारे में बताया, जिसमें अपराधी स्वयं को किसी केंद्रीय एजेंसी का अधिकारी बताकर वीडियो कॉल के माध्यम से डराने धमकाने का प्रयास करते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी पुलिस या सरकारी एजेंसी इस प्रकार ऑनलाइन गिरफ्तारी नहीं करती है, अत: ऐसे कॉल से भयभीत न हों और तत्काल इसकी सूचना पुलिस या हेल्पलाइन 1930 पर दें। इसके उपरांत पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी द्वारा जिले के सभी पत्रकारों के साथ विभिन्न जनहित एवं कानून व्यवस्था से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान पत्रकारगणों द्वारा सड़क सुरक्षा, यातायात व्यवस्था एवं अपराध नियंत्रण से संबंधित महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए गए। चर्चा के दौरान दोपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट के अनिवार्य उपयोग, शहर के भीतर से गुजरने वाले हाईवे पर बस एवं भारी वाहनों द्वारा प्रेशर हॉर्न के संयमित उपयोग, ब्लैक स्पॉट एवं शार्प टर्न वाले क्षेत्रों में सांकेतिक चिन्ह लगाए जाने तथा यातायात व्यवस्था को और अधिक व्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाए जाने जैसे विषय प्रमुख रूप से सामने आए। इसके अतिरिक्त आगर मालवा जिले की राजस्थान सीमा से लगी भौगोलिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए अवैध मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध शराब परिवहन एवं गौवंश तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सुझाव एवं विचार साझा किए गए। पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी सुझावों को गंभीरता से लेते हुए जनसहयोग एवं मीडिया के सकारात्मक सहयोग को पुलिस व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण बताया गया।

डिजिटल खातों की सुरक्षा को प्राथमिकता दें

पुलिस अधीक्षक ने नागरिकों से अपील की कि वे अपने डिजिटल खातों की सुरक्षा को प्राथमिकता दें, किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें, ओटीपी, पासवर्ड अथवा बैंक संबंधी जानकारी किसी के साथ साझा न करें तथा संदिग्ध लेन देन की स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचित करें, उन्होंने कहा कि सतर्कता ही साइबर अपराध से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। इसके अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर भी नागरिकों को जागरूक किया गया। उन्होंने कहा कि चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें तथा दोपहिया वाहन चालक हेलमेट पहनकर ही वाहन चलाएं, जिससे दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को कम किया जा सके। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा गुम हुए मोबाइलों की खोज में उल्लेखनीय कार्य करने पर जिला साइबर सेल टीम की सराहना की गई और उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशंसा व्यक्त की गई। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रविन्द्र कुमार बोयट, सूबेदार जगदीश यादव, प्रधान आरक्षक वीरेंद्र सिंह राठौर, प्रधान आरक्षक सुब्रतो शर्मा, प्रधान आरक्षक प्रकाश मालवीय, आरक्षक रवि दोहरे सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।